स्वामी विवेकानंद महिला महाविद्यालय

- FACULTY NAME- DEEPAK KUMAR
- COURSE -B.A. III YEAR
- SUBJECT - GEOGRAPHY
- PAPER- INDIAN GEOGRAPHY

भारत का भौतिक स्वरूप

भारत की भौगोलिक स्थिति एवं विस्तार

- भारत पूर्णतया उत्तरी गोलार्ध में स्थित है।
- भारत की मुख्य भूमि 804’ से 3706’ एवं 680 7’ से 970 25’ पूर्वी देशांतर के बीच फैली हुई हैं।
- भारत का अंक्षांशीय तथा देशांतरीय विस्तार लगभग 290 अंशों में हैं। अत: पूर्वांचल में यदि 6 बजे प्रात: सूर्योदय होता हैं तो सुदूर पश्चिम में सूर्योदय दो घंटे बाद होगा।
- इसका विस्तार उत्तर से दक्षिण तक 3214 किलोमीटर और पूर्व से पश्चिम तक 2933 किमी. और समुद्री तट रेखा अंडमान निकोबार द्वीप समूह तथा लक्ष्यद्वीप समूह के साथ 7517 कि.मी. हैं।
- कर्क रेखा भारत के लगभग मध्य भाग से गुजरती है। इसी प्रकार लगभग मध्य भाग से निकलने वाली 82030’ देशांतर रेखा का समय ही भारत का मानक समय निर्धारित किया गया हैं। यह रेखा उत्तर में मिर्जापुर एंव दक्षिण में चैन्नई के निकट से गुजरती हैं।
- आकार की दृष्टि से भारत संसार का साँतवा बड़ा देश हैं। एवं जनसंख्या के दृष्टि से चीन के बाद दूसरा नम्बर हैं।

भारत का भौतिक स्वरूप

भारत के भौतिक विभाग

भारत को चार भौतिक विभागों में विभक्त किया गया है

- उत्तरी पर्वतीय प्रदेश या हिमालय पर्वत समूह।
- उत्तरी भारत का विशाल मैदान या सिंधु, गंगा, ब्रह्मपुत्र का मैदान।
- प्रायद्वीपीय पठार।
- तटीय मैदान ,द्वीप समूह

उत्तरी पर्वतीय प्रदेश या हिमालय पर्वत समूह

उत्तरी पर्वतीय प्रदेश या हिमालय पर्वत

- यह भारत के उत्तर-पूर्व में स्थित है। यह विश्व का सबसे नवीनतम ऊँचा एवं वलित पर्वतमाला है। इसका विस्तार सिंधु नदी मोड़ (नंगा पर्वत) से पूर्व में ब्रह्मपुत्र नदी के मोड़ (नामचाबरवा पर्वत) तक है।
- भारत के उत्तर पश्चिम में हिन्दूकुश पर्वत से शुरू होकर उत्तर पूर्व में म्यामांर तक तलवार की आकृति, धनुषाकार, चापाकार आकृति में हिमालय पर्वत फैला हुआ है। इसे उत्तरी पर्वतीय प्रदेश कहते है।
- हिमालय पर्वत भारत में कश्मीर से अरूणाचलप्रदेश तक 2400 किमी. की लम्बाई में , लगभग 250 किमी. चैड़ाई में फैले हुए है और इसकी औसत ऊँचाई 6000 मी. है।
- हिमालय पर्वत की उत्पत्ति 7 करोड़ वर्ष पूर्व मध्यजीवी महाकाल्प में हुई थी। जब इसके स्थान पर टेथीस नामक भूअभिनति थी। टेथीस सागर के उत्तर में अंगारालैण्ड तथा दक्षिणी भाग में गौण्डवाना लैण्ड भाग स्थित थे।

उत्पत्ति व निर्माण काल के आधार पर हिमालय का वर्गीकरण

इस उत्तरी पर्वतीय प्रदेश को निम्न चार भागों में बांटा गया है :

- ट्रांस हिमालय
- महान हिमालय/वृहद् हिमालय/हिमाद्री
- मध्य/लघु हिमालय
- उप हिमालय/शिवालिक/बाह्य हिमालय

1. ट्रांस हिमालय

- इसके अंतर्गत कराकोरम, कैलाश, जास्कर एवं लद्दाख पर्वत श्रेणियां आती है।
- जिनका निर्माण हिमालय से भी पहले हो चुका था। ये श्रेणियां विशाल हिमालय के उत्तर में स्थित है।
- इसका अधिकांश भाग तिब्बत में है। यह सिंधु व ब्रह्मपुत्र नदी का उद्गम स्थल है।
- कराकोरम श्रेणी को उच्च एशिया की रीढ़ कहा जाता है।
- भारत की सबसे ऊँची चोटी k 2 या गाडिविन आस्टिन (पाक अधिकृत कश्मीर) (8,611 मी.) इसी में स्थित है।
- सियाचिन ग्लेशियर (72 किमी. भारत का सबसे बड़ा ग्लेशियर) है। कराकोरम श्रेणी अपने पश्चिम की ओर पामीर की गांठ में मिल जाती है।

2. वृहद् हिमालय/हिमाद्री

- यह पश्चिम में सिंधु नदी से पूर्व में ब्रह्म पुत्र नदी तक 2400 किमी. लम्बाई में फैली हुई है।
- यह सबसे ऊंची, लगातार फैली आंतरिक श्रेणी है।
- यह नंगा पर्वत (जम्मू-कश्मीर) से लेकर नामचाबरवा पर्वत (अरूणाचल प्रदेश) तक एक पर्वतीय दीवार के रूप में फैली है। यह मध्य भाग में सबसे ऊंची है जो प्रमुखतः नेपाल में विस्तृत है। इसकी सबसे ऊँची चोटी माउण्ट एवरेस्ट है। (8,850 मी.)।
- अन्य प्रमुख चोटियाँ कंचनजंगा (8,595 मी.) मकालू (8,481 मी.) नंदा देवी (7,817 मी.), त्रिशूल (7,120 मी.) बद्रीनाथ (7,138 मी.), केदारनाथ (6,945 मी.) है।

3. मध्य लघु हिमालय

- पीरपंजाल मध्य हिमालय की सबसे लम्बी श्रेणी है। यह कश्मीर राज्य में फैली हुई है।
- धौलाधर श्रेणी में शिमला स्थित है, जो कि मध्य या लघु हिमालय का भाग है।
- इस श्रेणी में पीरपंजाल तथा बनिहाल दो दर्रे है। बनिहाल दर्रे से होकर जम्मू से कश्मीर घाटी के लिए मार्ग जाता है।

4. उप हिमालय/शिवालिक

- यह हिमालय की सबसे बाहरी, नवीनतम श्रेणी है।
- इसकी औसत ऊँचाई 900 से 1200 मीटर है।
- यह पोतवार बेसिन के दक्षिण से आरंभ होकर पूर्व की ओर कोसी नदी तक फैली है।
- जम्मू में यह जम्मू की पहाडि़यों तथा अरूणाचल प्रदेश में डाफला, मिरी, अबोर, मिशमी की पहाडि़यों के रूप में जानी जाती है।

THANK YOU